जाओ
और
मसीह की
कलीसिया बनाओ

कलीसिया निर्माणकारी सेवकाई

द्वारा

डोटा

मैनुएल 7

समूह के अगुवों के लिए

(चौथा संशोधित संस्करण 2016)

प्रस्तावना

कलीसिया क्या है।

विश्वव्यापी स्तर पर, कलीसिया मसीह की देह है (इफिसियों 1:22-23) और सारे मसीही उस देह के अंग हैं (1 कुरिन्थियों 12:12)। स्थानीय स्तर पर, मसीहियों के किसी घर (रोमियों 16:5) या शहर (1 कुरिन्थियों 1:2) में जमा होने को कलीसिया कहा जाता है। केवल यीशु सारी स्थानीय व विश्वव्यापक कलीसियाओं का सिर है। केवल वह ही कलीसिया का प्रमुख चरवाहा और बिशप है (1 पतरस 2:24;5:4)। कलीसिया एक *आत्मिक घर है जिसमें प्रत्येक मसीही एक जीवित पत्थर* (1 पतरस 2:5) *या वह वास स्थान है जहाँ पर परमेश्वर अपनी आत्मा के माध्यम से वास करता है* (इफिसियों 2:21-22)। *कलीसिया एक घराना या परमेश्वर का परिवार है*(इफिसियों 2:19)। जिसमें स्वयं परमेश्वर प्रेम व देखभाल करने वाले पिता के समान रहता है और सारे मसीही लोग एक दूसरे के साथ भाई व बहन के रूप में रहते हैं। *कलीसिया एक भेड़ के झुण्ड के समान है जो अपने आगे चलने वाले चरवाहे का अनुसरण करते है*(1पतरस 5:2; 2:25;5:4)। कलीसिया परमेश्वर का चुना हुआ पवित्र देश है जो उन लोगों से मिलकर बना होता है जिन्हें परमेश्वर ने सम्पूर्ण संसार में से चुना होता है(1पतरस 2:9-10) *कलीसिया परमेश्वर के राज्य या उसके धरती पर राजा होने का प्रत्यक्ष प्रमाण है*(मत्ती 13:36-43; 16:18-19;21:42-44)। *कलीसिया अभी तक भी सिद्ध वास्तविकता नहीं है*(मत्ती 13:24-30), लेकिन मसीह के द्वितीय आगमन पर, *वह मसीह की सिद्ध दुल्हन हो जाएगी*(प्रकाशितवाक्य 21:1-2,9-10, 19:7)। एक तरफ तो कलीसिया संसार में *एक योद्धा कलीसिया है* जो शत्रु के सारे आक्रमणों के विरूद्ध खड़ी होती है(मत्ती 16:18-19; इफिसियों 6:10-18; प्रकाशितवाक्य 12:10-12)। जबकि दूसरी ओर कलीसिया *स्वर्ग में एक विजयी कलीसिया है* जहां पर इस दुनिया से कूच कर गये मसीही पहले ही परमेश्वर की उपस्थिति में रहते हैं(गलातियों 4:26; इब्रानियों 1:10,16;12:22-14;13:14)।

किस प्रकार से मसीह की कलीसिया बनती है?

मसीह कलीसिया का सस्थापक, मालिक और निर्माता है। वह अपनी कलीसिया को बनाता है और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल नहीं हो सकते (मत्ती 16:18)! वह अपनी कलीसिया को पवित्र आत्मा (प्रेरितों 20:28), बाइबल (2 तीमुथीयुस 3:16-17) और स्थानीय कलीसिया के पुनरियों की परिषद (1 तीमुथी 5:17) के द्वारा अगुवाई करता है। मसीह ने यहूदियों, समारियों और अन्यजातियों में कलीसिया की ऐतिहासिक बुनियाद रखने का काम प्रेरितों के द्वारा किया (इफिसियों 2:20)। लेकिन अब वह कलीसिया का निर्माण करने के लिए अति साधारण विश्वासी का इस्तेमाल करता है। वह उन मसीहियों के द्वारा कलीसिया का निर्माण करता है जिनके लक्ष्य निम्नलिखित होते हैं: जो एक दूसरे की ज़िम्मेदारियों को पूरा करने में सहायता के द्वारा आपसी रिश्ते बनाते हैं (इफिसियों 4:1-2), ठोस मसीही सिद्धान्तों के आधार पर अपनी आत्मा की एकता को बनाये रखते हैं (इफिसियों 4:3-6)जिससे वे इस एकता में पायी जाने वाली विविधता को बनाये रखें (इफिसियों 4:7-11), जो मसीह की कलीसिया के भीतर व बाहर व्यवहारिक काम करने के लिए लोगों को तैयार करते हैं (इफिसियों 4:12)और जो सारे मसीहियों को परिपक्ता में अगुवाई करते हैं (इफिसियों 4:13-14)। अत: कलीसिया सत्य,प्रेम, मसीह की समानता और नियमित वृद्धि (इफिसियों 4:15-16) पर आधारित एक समुदाय बन जाती है। मसीह की कलीसिया का निर्माण करना आज सभी विश्वासियों का लक्ष्य है।

डोटा पाठयक्रम समूह के अगुवों को निम्नलिखित घटक उपलब्ध कराने के द्वारा मसीह की कलीसिया को व्यवहारिक बनाता है:

1. प्रत्येक मैनुएल में 12 अध्याय दिये गये हैं जिन्हें 3 महीनों में (अर्थात एक अध्याय प्रति सप्ताह) या छः महीनों में(अर्थात एक अध्याय प्रति 14 दिनों में) समाप्त किया जा सकता है। गहन अध्ययन कार्यक्रम में पाठयक्रम को छः दिनों में भी समाप्त किया जा सकता है।
2. महत्वपूर्ण बाइबल के पद विद्यार्थी की मसीह, उसकी कलीसिया और बाइबल को जानने में मदद करते हैं।
3. गहरे शब्दों में लिखे निर्देश जैसे "पढें" "खोजें व चर्चा करें" समूह के अगुवें को अगुवाई करने में सहायता प्रदान करते हैं।
4. "नोट्स" प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का साराशं बताते हैं। यह समूह अगुवे के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में काम करता है।
5. यह पाठयक्रम हमें मण्डली का निर्माण करने के लिए व्यवहारिक तरीके व अकेले या छोटे समूह के साथ यूहन्ना की पुस्तक का अध्ययन करने में सहायता करता है।
6. हर एक अध्याय में घर पर तैयारी करने का काम होता है, जिसे अध्याय के अन्त में विद्यार्थियों को दिया जा सकता है।

7. प्रशिक्षण पाठयक्रम दूसरों को देने के लिए सहज है। प्रत्येक पाठयक्रम के 12 अध्यायों को पूरा करने के बाद, जो विद्याथी किसी समूह में दूसरे लोगों को यह शिक्षा देना चाहते हैं वे समूह के अगुवे के लिए एक प्रति या कॉपी प्राप्त कर सकते हैं।

हमारी प्रार्थना है कि परमेश्वर आपके क्षेत्र में तेजी से मण्डलियों की (घरेलू कलीसिया) संख्या को बढ़ाये और ज्यादा से ज्यादा लोग परमेश्वर पर विश्वास करने में आज्ञाकारी बन जाएं(प्रेरितों 6:7)। यीशु ने कहा,"मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक उसमें प्रबल नहीं होगें!"(मत्ती 16:18)! परमेश्वर को महिमा मिले! "क्योंकि उसी की ओर से, और उसी के द्वारा और उसी के लिए सब कुछ है। उसकी महिमा युगानयुग होती रहे: आमीन!"(रोमियों 11:26)

डोटा (इस नाम की उत्पत्ति 05-10-1993 में हुआ जब यह पाठयक्रम पहली विशेष तौर पर रेडियो में प्रसारित किया गया, "Discipleship training On The Air", अर्थात चीन पर रोडियो पर प्रसारण व प्रशिक्षण)**1995** में (प्रथम संस्करण)। **2016** में (चौथा संशोधित संस्करण)।

सर्वाधिकार
मसीह की कलीसिया बनाने पर समूह के अगुवों के लिए तैयार किये गये 4 मैनुएल के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए निःशुल्क नकल किया जा सकता है। लेकिन उन्हें बेचा नहीं जा सकता। उन्हें बिना लिखित अनुमति के दूसरी भाषा में अुनवाद नहीं किया जा सकता।

सिफारिश
इस सामग्री को बहुतायत से इस्तेमाल करने और एक आशीष बनने के लिए तैयार किया गया है। लेकिन मसीह की कलीसिया बनाने के 4 मैनुएल का उददेश्य समूह के अगुवों या मसीहियों को तैयार करना है इसलिए, यह सुझाव दिया जाता है कि केवल समूह के अगुवे ही मैनुएल 4 की नकल या कॉपी करें। एक विद्यार्थी को ठीक मूल पाठयक्रम की नकल केवल तभी दी जाये जब उनसे सभी 12 अध्यायों की शिक्षा प्राप्त कर ली हो और वह किसी समूह या किसी व्यक्ति को शिक्षा देने की कामना करता हो।

विषय सूची

समूह के अगुवों के लिए नियमावली 7

कलीसिया निर्माणकारी सेवकाई

परिचय व सर्वाधिकार

प्रशिक्षण कार्यक्रम 1

3 माह के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम। सप्ताह में डेढ़ से लेकर 2 घण्टे के लिए। समूह ज्यादा से ज़्यादा 8 लोगों तक का ही हो।

प्रत्येक कार्यक्रम प्रार्थना के साथ शुरू होकर गृहकार्य देते हुए प्रार्थना के साथ ही समाप्त होता है।

अध्याय 25 शान्त समय को साझा करना (लूका 1:1-4:30)
याद करना (1. छोड़ना मिलना : उत्पत्ति 2:24)
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीही परिवार में बच्चे का पालन पोषण करना**)

अध्याय 26 शान्त समय को साझा करना (लूका 4:31-7:50)
याद करना (2. प्रेम व अगुवाई: इफिसियों 5:23,25)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 11)

अध्याय 27 शान्त समय को साझा करना (लूका 8:1-11:28)
याद करना (3. प्रेम करें और अधीन हों। तीतुस 2:4-5।)
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीही परिवार में बच्चों को प्रशिक्षण देना**)

अध्याय 28 शान्त समय को साझा करना (लूका 11:29-14:35)
याद करना (4. झगड़े सुलझाएं। मत्ती 5:23-24।)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 12)

अध्याय 29 शान्त समय को साझा करना (लूका 15:1-18:17)
याद करना (5. विश्वास योग्य बने रहें। नीतिवचन 3:3-4।)
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: व्यक्तिगत सहायता द्वारा नये मसीहियों को **प्रशिक्षण दें**)

अध्याय 30 शान्त समय को साझा करना (लूका 18:18-21:38)
याद करना (श्रृंखला "छ" "मसीही विवाह" का पुनरावलोकन)
बाइबल का अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 7)

अध्याय 31 शान्त समय को साझा करना (लूका 22-24)
याद करना (11. यूहन्ना 11:25)
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीहियों और कलीसियाओं में बढ़ोतरी**)

अध्याय 32 शान्त समय को साझा करना (तीतुस 1-3)
याद करना (12. यूहन्ना 12:32)
बाइबल का अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 14)

अध्याय 33 शान्त समय को साझा करना (इब्रानियों 1-3)
याद करना (13. यूहन्ना 13:34-35)

शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **सलाह देना और निर्णय लेना**)

अध्याय 34 शान्त समय को साझा करना (इब्रानियों 4-7)

याद करना (14.यूहन्ना 14:6)

बाइबल का अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 15)

अध्याय 35 शान्त समय को साझा करना (इब्रानियों 8-10)

याद करना (15. यूहन्ना 15:5)

शिक्षा (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **आत्मिक वरदानों के अनुसार सेवा करना**)

अध्याय 36 शान्त समय को साझा करना (इब्रानियों 11-13)

याद करना(यूहन्ना से याद की गयी 5 आयतों को पुन: दोहराएं)

बाइबल का अध्ययन (यूहन्ना रचित सुसमाचार। अध्याय 16)

परिशिष्ट 9 कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: मसीही परिवार में बच्चों को अनुशासित करना

परिशिष्ट 10 कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: सलाह देने के लिए तथ्यों को एकत्रित करना

परिशिष्ट 11 कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: उत्तम योजनाएं बनाना

परिशिष्ट 12 कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: अधिक आत्मिक वरदान

परिशिष्ट परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताने, बाइबल अध्ययन करने,मनन करने और याद करने के तरीके: समूह के अगुवों के लिए मैनुएल 1 के परिशिष्टों को देखें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 2

गहन कार्यक्रम का इस्तेमाल सप्ताह में एक बार पूरे दिन या 6 दिन के गहन प्रशिक्षण सेमीनार के दौरान किया जा सकता है। पूरे समूह को प्रशिक्षित समूह अगुवे के साथ छोटे समूहों में बांट दें। समूह को 3-10 लोगों के बीच ही सीमित रखें।

सुझावित कार्यक्रम

09.00-09.30	आराधाना (बड़े समूह के साथ)
09.30-11.00	शिक्षा (बड़े समूह के साथ)
	अन्तराल
11.30-13.00	बाइबल अधययन (छोटे समूह के साथ)
	अन्तराल
16.00-17.00	शिक्षा या बाइबल अधययन को पूरा करने, प्रश्नों के जवाब देने, या अतिरिक्त शिक्षा के लिए (बड़े समूह के साथ)
	अन्तराल
17.30-17:45	मनन (बड़े समूह के साथ) व वचन याद करना (दो दो के समूह में)
17:45-18:30	बाइबल पठन (अकेले)
18:30-19.00	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय व्यतीत करना (दो दो के समूह में)
19.00-19:45	बांटना(बड़े समूह के साथ) और प्रार्थना करना (छोटे समूह के साथ)

दिन 1 (अध्याय 25+26)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीही परिवार में बच्चे का पालन पोषण करना**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 11)
याद करना (उत्पत्ति 2:24+इफिसियों 5:23,25)
बाइबल पठन (लूका 1-7)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय (दो दो के जोड़े में: लूका 6:27-45)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 2 (अध्याय 27+28)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीही परिवार में बच्चों को प्रशिक्षण देना**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 12)
याद करना (तीतुस 2:4-5+मत्ती5:23-24)
बाइबल पठन (लूका 8-14)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय (दो दो के जोड़े में:लूका 11:33-54)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 3 (अध्याय 29+30)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: व्यक्तिगत सहायता द्वारा नये मसीहियों को **प्रशिक्षण दें**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 13)
याद करना (नीतिवचन 3:3-4 + "मसीही विवाह" श्रृंखला छ का पुनरावलोकन)
बाइबल पठन (लूका 15-21)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय(दो दो के जोड़े में: लूका 18:15-43)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 4 (अध्याय 31+32)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **मसीहियों और कलीसियाओं की बढ़ोतरी**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 14)
याद करना (यूहन्ना 11:25+यूहन्ना 12:32)
बाइबल पठन (लूका 22-24+तीतुस 1-3)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय(दो दो के जोड़े में: तीतुस 2:1-3:11)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 5 (अध्याय 33+34)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **सलाह देना और निर्णय लेना**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 15)
याद करना (यूहन्ना 13:34-35+यूहन्ना 14:6)
बाइबल पठन (इब्रानियों 1-7)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय(दो दो के जोड़े में: इब्रानियों 3:12-4:16)
बांटना और प्रार्थना करना

दिन 6 (अध्याय 35+36)
प्रार्थना
शिक्षा देना (कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: **आत्मिक वरदानों के अनुसार सेवा करना**)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 16)
याद करना (यूहन्ना 15:5+यूहन्ना से याद की गयी अन्तिम 5 पदों को फिर से दोहराए)
बाइबल पठन (इब्रानियों 8:13)
परमेश्वर के साथ व्यक्ति समय(दो दो के जोड़े में: इब्रानियों 12:1-29)
बांटना और प्रार्थना करना

सम्भावित अतिरिक्त शिक्षाएं

परिशिष्ट 9 कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: मसीही परिवार में बच्चों को अनुशासित करना
परिशिष्ट 10कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: सलाह देने के लिए तथ्यों को एकत्रित करना
परिशिष्ट 11कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: उत्तम योजनाएं बनाना
परिशिष्ट 12कलीसिया निर्माणकारी सेवाकाई: अधिक आत्मिक वरदान